अभी एक आदमी बहता हुआ चला जायेगा
जिसकी लाश पर कौए बैठे होंगे
जिन्हें मैं अक्सर दिल्ली की इन सड़कों पर
उड़ता हुआ देखता हूँ
शायद ये हंस हों !
मेरी निगाह कुछ कमजोर हो गयी है।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10. लम्बी कविता के रचना विधान के आधार पर 'दो चट्टानें' कविता की समीक्षा कीजिए।

11. खण्डकाव्य के तत्त्वों के आधार पर प्रवाद पर्व की समीक्षा कीजिए।

12. ब्रह्मराक्षस कविता की मिथकीय चेतना के आधार पर इसके अनुभूति व अभिव्यञ्जना पक्ष पर प्रकाश डालिए।

13. लम्बी कविता के विकासक्रम में सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के योगदान पर चर्चा करते हुए सरोज-स्मृति के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

384

HD–05

June – Examination 2020

B.A. (Part III) Examination

HINDI LITERATURE

आधुनिक काव्य

Paper : HD-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) आधुनिक हिन्दी साहित्य का प्रारम्भ कबसे माना जाता है ?

   (ii) लम्बी कविता के स्वरूप निर्धारण के दो तत्त्व लिखिए।

   (iii) किन्हीं दो लम्बी कविताओं के नाम उनके कवि सहित लिखिए।

(iv) 'प्रवाद पर्व' खण्डकाव्य के कथानक का आधार क्या है ?

(v) हरिवंशराय बच्चन की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(vi) सरोज स्मृति कविता में सरोज क्या है ?

(vii) ब्रह्मराक्षस मुक्तिबोध के किस काव्य संग्रह में संकलित है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2. लम्बी कविता के प्रमुख तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

3. खण्डकाव्यों के विकास में नरेश मेहता के योगदान को लिखिए।

4. 'परिवर्तन' कविता के अभिव्यञ्जनात्मक पक्ष पर टिप्पणी कीजिए।

5. 'कुआनो नदी' कविता की प्रासंगिकता को तर्क सहित बताइये।

6. 'ब्रह्मराक्षस' कविता के आधुनिक बोध को स्पष्ट कीजिए।

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अभी तो मुकुट बँधा था माथ,
हुए कल ही हल्दी के हाथ,
खुले भी न थे लाज के बोल,
खिले भी चुम्बन शून्य कपोल,

हाय! रुक गया यही संसार
बना सिन्दूर अंगार!
बात हत लतिका वह सुकुमार
पड़ी है छिन्नाधार॥

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल,
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के से शतदल!

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नाखून दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं
और जमीन उसी अनुपात में बंजर होती जा रही है
और नदी हर दिल में उसी रफ्तार से शांत
हर विवशता का उपहास-सा करती।
अभी एक डॉगर बहता हुआ निकल गया